Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F - 4102

शास्त्री (द्वितीय वर्षे) परीक्षायाम्, 2022

(वैकल्पिक 'ख' वर्गे)

हिन्दी

अष्टम् प्रश्नपत्रम्

समयः घण्टात्रयम्) **(सम्पूर्णाङ्काः 100**

सूचनाः -सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **45**

(क) कोकिल वायस एक सम, पण्डित मूरख एक।
इन्द्राभन दाड़िम विषम, जहाँ न नेकु विवेकु।।
बसिये ऐसे देश नहि, कनक वृष्टि हो होय।
रहिए तो दुख पाइये, प्रान दीजिए रोय।।

सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हजार मन मिठाई मुफ्त की मिले तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना।

(ख) क्रोध, शांति भंग करने वाला मनोविकार है। एक का क्रोध दूसरे में भी क्रोध का संचार करता है। जिसके प्रति क्रोध प्रदर्शन होता है वह तत्काल अपमान का अनुभव करता है और इस दुःख पर उसकी भी त्योरी चढ़ जाती है। यह विचार करने वाले बहुत थोड़े निकलते हैं कि हम पर जो क्रोध प्रकट किया जा रहा है, वह उचित है, या अनुचित। इसी से धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों के क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है। संत लोग तो खलों के वचन सहते ही है, दुनियादार लोग भी न जाने कितनी ऊँची-नीची पचाते रहते हैं।

(ग) तीस करोड़ के इस देश में आज तीस भी हँसने वाले नहीं है। इसका कारण केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी है। आर्थिक होता तो कम से कम मिल-मशीन वाले, पूँजी और चोर बाजार वाले तो हँसते? उनकी तिजोरियाँ भरी हैं पर मन खाली है। चरित्र - बल अब हमारी धरती में नहीं है। जो पीढ़ी आ रही है उसका नमूना निरंजन है, मोहन है। देखा इन्हें, खड़े-खड़े काँप रहे हैं जैसे अभी रो पड़ेंगे या गिर पड़ेंगे। यह नयी शिक्षा क्या हुई, चरित्र की बागडोर छोड़ दी गयी। मन के विकार और भावना की आँधी सेमर की रूई सी हमारी यह पीढ़ी उड़ी जा रही है।

(घ) अमराई मेरा संकट बोध और तीव्र करती है, मेरे आतंक को और सघन बनाती है और मेरी निरन्तर रीतते जाने की प्रक्रिया को तेजी देती है। मुझे जब लगता है कि अब आगे राह खो गई है, तो अमराई याद दिलाती है कि सबकी राहे खो गई हैं। हर एक रास्ते को अंधकार लील चुका है। मैं जब आत्मीयता का प्रयोग एक मुखौटे के रूप में देखता हूँ तो अमराई स्वयं एक बहुत बड़ा मुखौटा बन जाती है और तब लगता है कि आत्मीयता की तलाश ही है वेमानी और इस बेमानी तलाश का रोना - कविता में रोना भी एक फरेब है। शहर मुझे कोई भी अजनबी नहीं लगता, पर शहरियत बड़ी वैसी लगती है।

2. 'अंधेर नगरी' प्रहसन आज भी प्रासंगिक है? समझाइये। **10**

अथवा

'बसंत आ गया है' निबंध का सार व उद्देश्य बताइए।

3. 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी की समीक्षा कीजिए। **10**

अथवा

'मम्मी ठकुराईन' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए। **15**

(i) राहुल सांकृत्यायन का जवीन-परिचय दीजिए।

(ii) गद्य में महादेवी वर्मा का योगदान बताइये।

(iii) हबीब तनवीर के नाट्यकर्म की विशेषताएं बताइये।

(iv) एकांकी का इतिहास बताइये।

(v) राहुल जी का यात्रावृत्तांत में योगदान बताएं।

5. निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दीजिए। **20**

(i) नाट्यविद्या पर रचित विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ कौन सा है?

(ii) 'भारत दुर्दशा' किसका नाटक है?

(iii) 'औरंगजेब की आखिरी रात' किनकी एकांकी है?

(iv) बाबू गुलाबराय का कौन सा निबंध आपके पाठ्यक्रम में है?

(v) व्यंग्यात्मक निबंधों के लिए कौन प्रख्यात है?

(vi) आधुनिक मीरा किन्हें कहा जाता है।

(vii) 'नया थियेटर' की स्थापना किसने की?

(viii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंध किस पुस्तक में संग्रहित हैं?

(ix) बिसाखाराम किस एकांकी का पात्र है?

(x) 'मादा कैक्टस' किनका नाटक है?